



[illegible][illegible]

सर्वसिद्धिमहाकृत्नीं वेद्यानलमहर्वदं सर्वसिद्धिमुदायकं ॥ मन्त्रगयम ॥
धनकायकं ॥ १ ॥ डं वज्रसूक्तं ॥ १ ॥ धमन्त्रं ॥ धनयुवानं जालं ॥ कायवर्कं ॥ १ ॥
यकं ॥ सर्वयायदहनवकाय ॥ सर्वयायदहखाहा ॥ १ ॥ धमन्त्रं नहं वा जूयिष्ठानह
कायवर्कं ॥ ० ॥ ॥ हाससहावना ॥ ॥ नमो जूयिष्ठानहं कायवर्कं युक्तवज्रयवस्कृतय
मानं विहाय ॥ ॥ डं जूयमनीयानि हूखाहा ॥ ० ॥ ॥ धनज्जादिन ॥ विविधि ॥ विहीन
व ॥ ॥ डं जूयसहाहा ॥ धन ॥ ॥ डं जूयसहाहा ॥ जूयसि ॥ ॥ डं वज्रसमायसाहा

॥ यत्नासि ॥ ॥ डं वज्राज्ञायासाहा ॥ खदिय ॥ ॥ डं वज्रद्वयायसाहा ॥ ॥ जूयामा ॥ ॥ डं
वज्रकवयायसाहा ॥ ॥ वृद्ध ॥ ॥ डं वज्रयज्ञायसाहा ॥ ॥ इतिजि ॥ ॥ डं वज्रसनिधुयायसा
हा ॥ समिकण ॥ ॥ डं वाधिवृकायसाहा ॥ वज्रगन ॥ ॥ डं वज्रतनायसाहा ॥ ॥ यित्ताय
॥ ॥ डं वज्रविज्ञायसाहा ॥ ॥ वज्रनय ॥ ॥ डं मधुनसाहा ॥ ॥ मद्रुसि ॥ ॥ डं जूयसाहा ॥
॥ जूयसि ॥ ॥ डं सर्वयावयसमनायसाहा ॥ ॥ वज्रकसि ॥ ॥ डं वज्रसरुकायायसाहा
॥ ॥ जूयसि ॥ ॥ डं सर्वयावयसमनायसाहा ॥ ॥ ॥ ॥ कदम्बगंराजीसि ॥ ॥ जूयसि ॥

यात्रेसुलाधियतिः सुखवीरु निष्पन्नं विरुविजयविजयान्नं मधुलाधियतिः
माधुल्यविजय ॥ स्वहृदीरुमयवीरुमै रूतसत्त्ववदकृष्णादिके ज्ञानीयव
यताष्टद्वारु रूतसत्त्वसमयसत्त्वयाः कीयनीलमित्तसमवसित्वदीविकाया ॥
द्वसत्त्व ॥ स्नानरू रूतयत् ॥ अकार्येन ॥ धूय ॥ रुगवन्नथी जूमकसत्त्व
विश्याजाननमाशुतं कुरुमित्तमित्तना ० मधुलकयूषामकं सिध्यात्तामनूकल्या
र्थं यूप्याकैयूषानाथायव तत्तैरुकथमं रुगवन्नयुसाधं कुरु महथः ॥ समन्ता

रुजनुमावृक्षा रुगदर्थं कियार्थदा ॥ रुलरूवाधिसत्त्वाश्च यावानामलुदवता
दन्वता लाकया लाधिरूता सत्त्वाधिसामना साधना रिवतासत्त्वाश्चयक विद्वज्जव
कथं ॥ जूमकवदनामायायेन ॥ जूमकदवता जवेष्टानि यथा भिकुययावत ॥ जूम
मूर्कया मूयादाय ॥ स सिध्यात्तामनूकल्या ॥ सत्त्वसानि ॥ कुरु महथः ॥
अथमसरुलैरुत्ता सरुलैरुविर्गयमः समयसत्त्वदेवता ॥ रुगवन्नयुसाधं कुरु महथः ॥
अथमसरुलैरुत्ता सरुलैरुविर्गयमः समयसत्त्वदेवता ॥ रुगवन्नयुसाधं कुरु महथः ॥

सर्वोभेदेवसाहय यस्मिन्महानूकजसन्नियोगारुहय सर्ववृद्धेनिमन्त्रणात्
॥ निलाञ्जनं रुतानं ॥ यथायहललयुजा ॥ यथायहललयुजा ॥ यथायहललयुजा ॥
दि ॥ मन्त्रनयथा ॥ ॥ नतादवतायामुखवृकायता ॥ युकावज यवसू यवमा
नीविशवा ॥ उं आः यमनेयुतिय कृत्वाहा ॥ ॥ यद्वदत्यत्रियाहमूनमन्त्रन ॥ विदि
दाकाहय ॥ यत्तज्जुकादिकालरुलययन्त्रं ॥ यत्तज्जुकादिकालरुलययन्त्रं ॥ यत्तज्जुकादिकालरुलययन्त्रं ॥
न ॥ मन्त्रमन्त्रनयथा ॥ ॥ यत्तज्जुकादिकालरुलययन्त्रं ॥ यत्तज्जुकादिकालरुलययन्त्रं ॥ यत्तज्जुकादिकालरुलययन्त्रं ॥
स्वद नशाक ॥ दि ॥ इइ ॥ ययतवस ॥ ययतवस ॥ ययतवस ॥

यत्तज्जुकादिकालरुलययन्त्रं ॥ यत्तज्जुकादिकालरुलययन्त्रं ॥ यत्तज्जुकादिकालरुलययन्त्रं ॥
साहय ॥ मन्त्रमन्त्रनयथा ॥ ॥ यत्तज्जुकादिकालरुलययन्त्रं ॥ यत्तज्जुकादिकालरुलययन्त्रं ॥ यत्तज्जुकादिकालरुलययन्त्रं ॥
जादाका ॥ यत्तज्जुकादिकालरुलययन्त्रं ॥ यत्तज्जुकादिकालरुलययन्त्रं ॥ यत्तज्जुकादिकालरुलययन्त्रं ॥
त ॥ कायायि ॥ ॥ यत्तज्जुकादिकालरुलययन्त्रं ॥ यत्तज्जुकादिकालरुलययन्त्रं ॥ यत्तज्जुकादिकालरुलययन्त्रं ॥
स ॥ उं गगला गगलाविलाकिनेहं ॥ यत्तज्जुकादिकालरुलययन्त्रं ॥ यत्तज्जुकादिकालरुलययन्त्रं ॥ यत्तज्जुकादिकालरुलययन्त्रं ॥
त ॥ उं वरुवियतमास्वाहा ॥ यत्तज्जुकादिकालरुलययन्त्रं ॥ यत्तज्जुकादिकालरुलययन्त्रं ॥ यत्तज्जुकादिकालरुलययन्त्रं ॥

यमथे बल्लवला ॥ नैसर्वसत्तासुखेनारुमनु ॥ साकुप्रमग्नानत्रदवयुर्झ ॥ यमनम
 मधुहामुलाकि ॥ ॥ ॐ ॐ गमाथा ॥ यमथे बल्लवला ॥ नैसर्वसत्तासुखेनारुमनु ॥ ॥
 वानमग्नानत्रवयुर्झ ॥ सीधनमसुखं हामुकि ॥ ॥ जानिहयुगा ॥ नैसमागकानि ॥ ॥
 गानिहमवववन्नुप्रमयकवन्नुमे ॥ निसमगयुजासु ॥ दिवाचनारुचववन्नुयम ॥ ॥
 मनु ॥ ॐ ॐ ॥ हवयुकदानयने ॥ यथाशिलाखेने ॥ यमय ॥ यमयुषीसया ॥ हविषयिषय
 स्वाहा ॥ ॥ यथायहातयुजा ॥ लास्या ॥ यथावादन ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

सगाकल ॥ अयाकेयायाये हसनत्यादि ॥ ॥ यत्कु ॥ नमिष्यादि ॥ ॥ कुलवसवसत
 धिष्यादि ॥ ॥ ॐ ॐ ॥ हवकमणुलमू ॥ विसर्जन ॥ ॥ ॐ ॐ ॥ होमविदि ॥
 १ ॐ नमारुगवने ॥ सत्तदग्निवियवि ॥ धनलाजाय ॥ यथागत ॥ ॥ ॥ धनयम
 वामन ॥ यिकथायाइवन ॥ यलजायात्र ॥ कुम ॥ हामय ॥ यय ॥ कफि ॥ लंगव
 वायुजानक ॥ ॥ वाकयाय ॥ ॥ अययकमताविधाय ॥ ॥ अयममकमास ॥ ॥ अ
 मूकवक ॥ ॥ अमूकनिलो ॥ ॥ अमूकनक ॥ ॥ अमूकयाग ॥ ॥ अमूककवननमूक

१ ॐ नमारुगवने ॥

[illegible][illegible]

१ सर्वकर्मोक्तं कथास्त्रीयस्वधा ॥ धर्मि ॥ ॥ उवाचि स्वर्गानि न स्वधा ॥ ॥
धर्म ॥ कस्मि ॥ ॥ उवाचि स्वर्गानि न स्वधा ॥ ॥ उवाचि स्वर्गानि न स्वधा ॥ ॥
वृद्धाय ॥ न श्रुता ॥ ॥ उवाचि स्वर्गानि न स्वधा ॥ ॥ उवाचि स्वर्गानि न स्वधा ॥ ॥
जन्मकस्मि ॥ सर्वकर्मोक्तं कथास्त्रीयस्वधा ॥ ॥ धर्मि ॥ ॥ उवाचि स्वर्गानि न स्वधा ॥ ॥
यवाभिन्नयूय ॥ अयलसिनायूयूय ॥ ह्यनर्हताया ॥ यवयकाविनिस्वधा ॥ ॥ लंभ
॥ ॥ ॥ उवाचि स्वर्गानि न स्वधा ॥ ॥ उवाचि स्वर्गानि न स्वधा ॥ ॥ कस्मि ॥ ॥ उवाचि स्वर्गानि न स्वधा ॥ ॥

विनीरुवति ॥ वा ॥ विनकसीरागुर्मे ॥ वा ॥ विमदयकयात ॥ ॥ डालि
डादुवा ॥ अदविडाहवति ॥ दालिदरुसीवा ॥ डालेदमरुयुकेयातथ
धमोदर ॥ ॥ य ॥ यथा ॥ सुगीधरुलेन ॥ डकला ॥ हेमूर्ख ॥ सानेवृथा ॥
सूधहावा ॥ नसाका ॥ लेखन ॥ येसासी ॥ सानयादाव ॥ ॥ शुचिमजवक
पावना ॥ ॥ यविमुसलमठाव ॥ नगियाव ॥ ॥ गुनूगनः ॥ सिखा ॥ गुलना
विदसिनवी ॥ ॥ धमतिन ॥ गुलसक ॥ डका ॥ ॥ गुलकहा ॥ वृगवर्त ॥ ॥ का

यकीनेविर्कुम्भ ॥ ॥ कनयादायाय ॥ ॥ लगाकम्भ ॥ ॥ वाचिक ॥ रगुविर्भ
ववततयादायाय ॥ यगाविधि ॥ ॥ सानेसुलियकावने ॥ ॥ लुगुठतयादा
याय ॥ लगा ॥ ॥ गुगुकीर्येके ॥ ॥ केंलुमेविधि ॥ ॥ दशार्त ॥ ॥ कुगनाः ॥ सुगा
धजिगायाय ॥ मोठगना ॥ ॥ दिसकुसुम ॥ ॥ ॥ नगकायके ॥ ॥ कगुमाविधि
र्व ॥ ॥ रुना ॥ ॥ कनयादायाय ॥ गुगु ॥ ॥ लगा ॥ ॥ ॥ यानातियाव ॥ ॥ स्याय ॥
मनेव ॥ ॥ अदकादने ॥ ॥ भव्याविषय ॥ ॥ मनेनक ॥ ॥ काके ॥ ॥ सुव ॥ ॥ मनेव

वतिग्रहयाकन ॥ विद्यालक्षः सुयूगादेविद्यागता ॥ मनकाव
नार्त ॥ कायविविद्यागशय ॥ मिथ्यावादागुजवचनेन ॥ इष्टदा
वारिर्लोकल ॥ असत्यवैल्लायायाकन ॥ लनकोचितकयू ॥ विमुना
न ॥ अर्वाक्कायाकन ॥ मिथुदकजहविद्यमि ॥ वावर्व ॥ विजाव
कजहआयदाकन ॥ लायू ॥ यात्रयातुजमतोहृष्टइनीगीध ॥ म
मयाथ ॥ गात्रवचन ॥ विद्यायाकन ॥ मेतसुखमदस्य ॥ लोकनति

दनायायुव ॥ असारेनेयनायातु ॥ अनादयवाकन ॥ लाकयू ॥ रिच
रुले ॥ मवकाययाहृष्टवैल्लायाकन ॥ वृत्तयवचनमइ ॥ लोकवच
वशयू ॥ अविद्याअग्यानसुखरुले ॥ अग्यानयाकन ॥ ग्यान
मदस्यकनशयू ॥ व्यायादातुगीवृत्तस्वसोहिता ॥ मवत्यायसा
त्रवात ॥ तवकृत्स्वयमाकोकयू ॥ मिथ्याहृष्टगीवहिनजगति
रुल्याहिरुले ॥ मिथ्यादिहियाकन ॥ तवकृत्स्वहिनजगतिम

आयनयेव ॥ तत्मातृदशकसल याले ह्युकायेहा ॥ वतवैवय
न ॥ थाने निमिदिन ॥ उतायायताठताव ॥ वतवययद्रुने ॥ व
निन ॥ समन्वाहन रुदन्ता आरायायायार्थ ॥ दसादिगुणक
रुसनेयानिना ॥ एकमुनयादाव ॥ हाकिआवाय ॥ उयाथास ॥ द
दिग ॥ लोकयागुसवोय ॥ ॥ वृद्धारुगवना ॥ वायिसहाय ॥ अरुम
मूकनामा ॥ वृद्धयस्य संधाय ॥ सननगकुमि ॥ तथामतडाका ॥ वा

सनुद्वाकाथदय ॥ क्रियानि ॥ यवशतामाकिथीह ॥ वृद्धयस्य संध
कि ॥ क्रियानि ॥ सलनवताग ॥ युनययली ॥ समन्वाहनकु रुदन्ता
समस्तगुण ॥ वृद्धवायिसहाय ॥ हाता ॥ मेवरेकाया ॥ एकमुनया
द ॥ हाकिरुमर्क ॥ गुणवृद्ध ॥ वायिसहाय ॥ हाकासक ॥ मातयेन
नी ॥ मासववृनयादायाय ॥ नदन्तासंगमा ॥ सर्वसनुयुव ॥
कायाननयादा ॥ ग्रामिनयादा ॥ यार्थ ॥ समाशुका ॥ क्रियानिमा

नमः ॥ अस्मादिह हृदमोनि रुवा न न वषु मया यायकी कर्म कर्म
थु कर्म स हृथु कर्म स हृथु न वा यया दा ॥ अका वि न वा अन
मादि न वा न स सर्वे कथा विष्णु शिवा तुल्यिवा म वया वका
न व व न रा लया थ क ल उ या य क न थ या य दा को हृल यो ल म
क्रिया दा व ग्व उ मून का व उ ति या दा व ॥ श्री व स धा याः अ
व गु न वृद्ध या वि स नु म्या फे के स व या य घा ते द स या मि अ

नमः जगति पाते हृदया मि ॥ श्री व स धा या म हृ व न स न स गु वृ वृ
वा वि स न स हृ व न अ न स न स या य अ ग्ना न न या दा र्व द स न
वा अ व या य गु न व स न ग व स न स न व य न अ व न वि या
व न ग ल ग व ग ॥ स म न्वा रु ल य था न उ न द न का थ म वि स सा
द थ उ क म न या द ग थ ध न व म क ग थ य न व य ॥ म य या न
व हि ना नि या मि या अ व व ल शा डि न व क्क या ले रु ग थ नो न म

तेव ॥ नानमभव ॥ विचकनमदयके ॥ यात्रनया ॥ वक्रवयश्व
ज ॥ कथं यावद्वैर्व ॥ प्रथवां यावत्तात्रिगामेनी ॥ यावत्सूर्य
दयानुप ॥ तावत् ॥ गद्य ॥ ग्वनाता ॥ त्रिवेनवहययतात्र ॥ मूर्धिसा
थनूयात्रातिवहोव ॥ कानसयाहय ॥ मन्त्रात्र ॥ थलात्र ॥ श्रीवसू
धातात्र ॥ एकागमने ॥ समाधाययत् ॥ श्रीवसूधातात्र ॥ एकात्रि
केने वज्रलयश्वी ॥ ॥ ॥ ॥ यथायास ॥ ॥ उवसूधामपुनयव

यसुक्तात्रा वक्रके विमत्रहाहा ॥ सर्वो विद्यानुसात्रयह ॥ खानमेश
लुदयके वाय ॥ ॥ उश्रीवसूधायहाहा ॥ उवसूधातायहाहा ॥
उश्रीवसूधात्रा धलनीयहाहा ॥ दात ॥ उश्रीवजयत्रसगलनि
धोषायमथागाय वज्रयुधै युगि सुहाहा ॥ देवत ॥ उश्रीज्जायव
त्राकेनश्वत्राय वज्रयुधै उगि य सुहाहा ॥ नववसू ॥ उश्रीज्जायव
यानय वज्रयुधै युगि सुहाहा ॥ नव ॥ उश्रीज्जायव वज्रयुधै युगि

बुद्धाहा ॥ **ह्रवत** ॥ उंशी कस्तुत नन्दाय स्वाहा ॥ **ह्रवको** नस्त ॥
 उंशी सैयया लना वा वा वा स्वाहा ॥ **ह्रवको** नस्त ॥ **विधुम** गुल ॥
 उंशी युकाद विद्य स्वाहा ॥ **ह्रवको** कस्त ॥ उंशी शुभुया स्वाहा ॥
ह्रवको कस्त ॥ उंशी सवच स्वाहा ॥ **ह्रवको** कस्त ॥ उंशी वन्द
 का ना वा स्वाहा ॥ **ह्रवको** कस्त ॥ **विधुम** गुल ॥ उंशी मातिरुदाय
 स्वाहा ॥ **ह्रवत** ॥ उंशी यूरी रुदाय स्वाहा ॥ **ह्रवत** ॥ उंशी वनेडाय

स्वाहा॥ धवन ॥ उं श्री वैश्वदेव्य स्वाहा॥ अ व स ॥ उं श्री विवेक
 लो न स्वाहा॥ स्व व क क न स ॥ उं श्री कलिमा लिने स्वाहा॥ स्व व
 थं क न स ॥ उं श्री मू र्व य स्वाहा॥ अ व थं क न स ॥ उं श्री नृ ल य
 स्वाहा॥ अ व को क न स ॥ उं से र्व नि ध ना य स्वाहा॥ उं य मा नि ध ना य
 स्वाहा॥ अ व ॥ र व ॥ अ य थं ॥ उं श्री महा लक्ष्मी नृ गाने वाणिनी य व
 अ य थं य नि कृ स्वाहा॥ दा ने र्ने ॥ य थं य ल य य का ॥ उं व स स्वाहा॥

स्वान ॥ उँ वसुधा जि स्वाहा ॥ वन ॥ उँ वसुधा जि स्वाहा ॥ अकृत ॥ उँ वसुधा
लिपीय स्वाहा ॥ वृत्ति ॥ उँ वसुधा लाया लनीय स्वाहा ॥ मत ॥ उँ वसुधा
नि विरय स्वाहा ॥ गोय ॥ वृत्ति ॥ कल्या ॥ देन न विधिना ॥ यालियथा म
ना ॥ याया लया विविध ननु त्ववर्णमया ॥ यूर्ध्व कला तु वन सहस्र सर्वग
सर्वलोका कननि ॥ युष्मा मा मिश्रु ॥ कलासम ॥ रगत्राति रसुधा ना
यान्ता ॥ दुषित तु वना दा आ कर्षयन् ॥ उँ श्रीर्यकालि ॥ धन कालि ॥

कालि ॥ आगच्छ मरु वी स्वाहा ॥ कलासम तुल दा तं मत ॥ मा तु य
काव ॥ उँ श्री आर्य वसुधा ना ॥ वाष्पि गिरु कव रव स स्वाहा ॥ वन
वा ॥ स या द वन तं ॥ अर्ध दुर्गि ॥ उँ वसुधा प्रासदा तन्वा ॥ वा जि डान
वम लनी ॥ साधना या ये कारु ॥ लक्ष्मि सिद्धि वप्र यु दा ॥ धन सु ध या
उक् ॥ उँ सम य सो म् ॥ सम य कवि ॥ महा सम य स्वाहा ॥ उँ उँ उँ उँ उँ
वर्ष नि युवर्ष नि ॥ निष्ठा दानि ॥ श्री वसुधा ना ॥ अर्ध युग्मि रु स्वाहा ॥

कृतकालेन मनूनादि तद्विनाशानामकीर्तयतीति वस्तुवाला रक्षणका
य उल्लनकमयाय अथ योनि इत्याह ॥ **निष्कल सखान ॥** केनो
सर्ववायक ॥ ईनमानन यथायंगतजि वस्तुलक्षण रुलरुस
दिवानूय ॥ श्रीवस्तुवाया वस्तुनिर्देकालि ॥ **आनि कालि ॥** या ई कालि
सम काये सिद्धि कालि साक्षा ॥ २९ ॥ **येन वस्तुलयूआ ॥** एन
गनमस्तु महादवी सर्वो सिद्धि यमायनी ॥ नमो ॥

वस्तुवायानमस्तु ॥ ७ **वायन ॥** साहावायवा ॥
इदं सही दीया यलि दवीना जा दवीन पिम वधुनी जावतल
मव सूर्यगि ॥ ८ ॥ गा गा आ का दिवा ॥ नूया रु य स क ल द स्ता मव
ति या च विद्या ज्ञान त्वो वृधी य न द्रु दा त्वा दि द्या व नि यु स त म न
मा ली ग्य भा ह्य येन ॥ न त्वा द वी ॥ सु गत गुन दा यु जि न द
इना का रानूचक दी य द ग म म चि का स व स त्वा म का स्य न क